# ससेड़ी गांव में स्वास्थ्य जांच शिविर, 75 खान मजदूरों और सिलिकोसिस पीड़ितों को जांच कर दी सलाह

कार्यालय संवाददाता | करौली

डांग विकास संस्थान करौली व यत्नशील शील परमार्थ संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एलवियोफिट और नेस्कॉम फाउंडेशन के सहयोग से भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र ससेड़ी में सोमवार को फेफड़ों की कार्य क्षमता को जांचने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि नवीन तकनीकी से तैयार डिवाइस से सिलिकोसिस पीड़ित व खान मजदूरों की फेफड़ों की कार्य क्षमता की जांच की गई। डांग विकास संस्थान के सचिव डॉ. विकास भारद्वाज ने बताया कि जिला स्तरीय सिलिकोसिस बोर्ड की ओर से लंग्स फंक्शन टैस्ट नहीं किए जा रहे जबकि मेडिकल कॉलेजों में यह टैस्ट किया जाता था। इससे उनके फेफड़े की कार्य क्षमता का पता लगाया जाता है। बीमारी का सापेक्ष निदान हो पाता था, लेकिन जिले के बोर्ड में एलएफटी जांच नहीं की जा रही। इसी उद्देश्य से संस्थान की ओर से शिविर किए जा रहे हैं। इस दौरान एलवियोफिट कंपनी से सुनील सिंह व प्रवीन कुमार व डांग विकास संस्थान के सचिव डॉ.विकास भारद्वाज, राजेश शर्मा, सोनू माली, गजेन्द्र किशन, रामकुमार, नरेश व अनिर्वाण घोष को प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद ससेड़ी में शिविर कर 75 खान मजदूरों व सिलिकोसिस पीडितों की जांच की गई। आगामी दिनों में करौली, मासलपुर, मंडरायल व करौली ब्लॉकों में 20 शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

करौली। शिविर के दौरान अपनी जांच कराते हुए मरीज।

दैनिक भास्कर 27/2/2023

# सिलिकोसिस जांच शिविर में 80 श्रमिकों की जांच कर, दवाई दी

करसाई। डांग विकास संस्थान करौली व यत्नशील परमार्थ संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में एलवियोफिट व नेस्कॉम फाउंडेशन के सहयोग से भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र मामचारी मैं लंग्स फंक्शन टेस्ट सांस की बीमारियों की जांच (फेफड़ों की कार्य क्षमता को जांचने हेतु शिविर का आयोजन किया गया।

डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि नवीन तकनीकी से तैयार डिवाइस से सिलिकोसिस पीड़ित व खान मजदूरों की फेफड़ों की कार्य क्षमता की जांच की गईं । जांच जिला स्तरीय सिलिकोसिस बोर्ड द्वारा लंग्स फंक्शन टैस्ट नहीं किए जा रहे। जबकि मेडिकल कॉलेजों में यह टैस्ट किया जाता था जिससे उनके फेफड़े की कार्य क्षमता का पता लगाया जाता। बीमारी का सापेक्ष निदान हो पाता था। लेकिन जिले के बोर्ड में पीएफटि जांच नही की जा रही। इसी उद्देश्य से संस्थान द्वारा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं । डांग विकास संस्थान की टीम के राजेश शर्मा, सोनू माली, गजेंद्र किशन, विक्रम सिंह जाटव, को प्रशिक्षण दिया गया। उसके बाद मामचारी मै शिविर आयोजित कर 80 खान मजदूरों व सिलिकोसिस पीड़ितो की जांच की गईं । व्यवसायिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ के द्वारा जांच कराकर उचित पैरवी की जायेगी। इस अवसर पर भंवर सिंह मीणा मामचारी ईमित्र संचालक व समाजसेवी का पूर्ण सहयोग रहा।

दैनिक भास्कर 10-3-2024

# खनन मजदूरों का जांचा स्वास्थ्य

**करसाई @ पत्रिका.** डांग विकास संस्थान व प्रयत्नशील परमार्थ संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एलवियोफिट व नेस्कॉम फाउंडेशन के सहयोग से राजीव गांधी सेवा केन्द्र मामचारी में डांग क्षेत्र में खनन कार्य करने वाले मजदूरों के स्वास्थ्य की जांच की गई। उनके फेफड़ों की कार्य क्षमता की जांच की गई। डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि नवीन तकनीकी से तैयार डिवाइस से सिलिकोसिस पीड़ित व खान मजदूरों के फेफड़ों की जांच की गई। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय सिलिकोसिस बोर्ड की ओर से लंग्स फंक्शन टेस्ट नहीं किए जा रहे। जबकि मेडिकल कॉलेजों में यह टेस्ट किए जाते हैं। जिससे फेफड़ों की कार्यक्षमता का पता लगाया जाता है। समय पर बीमार का पता चलने पर उसका निदान हो जाता है।

राजस्थान पत्रिका - 10-03-2024

# राजौर में सिलिकोसिस शिविर, 90 खनन श्रमिकों का किया स्वास्थ्य परीक्षण, दवाईयां वितरित की

## डांग विकास संस्थान व यत्नशील परमार्थ संस्थान का सहयोग, विशेषज्ञों ने दिया परामर्श

भास्कर न्यूज | करौली

डांग विकास संस्थान करौली व यत्नशील परमार्थ संस्थान के सयुक्त तत्वावधान में एलवियोफिट व नेस्कॉम फाउंडेशन के सहयोग से भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र राजौर में लंग्स फंक्शन टैस्ट सांस की बीमारियों की जांच व फेफड़ों की कार्य क्षमता को जांचने के लिए शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि नवीन तकनीकी से तैयार डिवाइस से सिलिकोसिस पीड़ित व खान मजदूरों की फेफड़ों की कार्यक्षमता की जांच की गई। यह जांच जिला स्तरीय सिलिकोसिस बोर्ड द्वारा लंग्स फंक्शन टैस्ट नहीं किए जा रहे, जबकि मेडिकल कॉलेजों में यह टैस्ट किया जाता था। इससे उनके फेफड़े की कार्यक्षमता का पता लगाया जाता है और बीमारी का सापेक्ष निदान हो पाता था। लेकिन जिले के बोर्ड में पीएफटी जांच नहीं की जा रही है। इसी उद्देश्य से संस्थान ने शिविर आयोजित किया। राजौर में शिविर आयोजित कर 90 खान मजदूरों व सिलिकोसिस पीड़ितों की जांच की गई। जिला क्षय रोग निवारण केन्द्र करौली डॉ. धर्मेंद्र गुप्ता ने नियमित परामर्श के अनुसार दवा देने की सलाह दी। सीएचओ बबीता जाटव, एएनएम शिवकुमार, नेसकोम फाउंडेशन, एलवियोफिट व यत्नशील परमार्थ संस्थान के पदाधिकारियों व डांग विकास संस्थान के सचिव डॉ. विकास भारद्वाज ने फेफड़ों की नियमित जांच करवाने से फेफड़ों की कार्यक्षमता का पता लगेगा जिससे उसका निदान हो पाएगा। डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि सिलिकोसिस पीड़ितों व खान मजदूरों को निशुल्क दवा वितरित की गई।

डांग विकास संस्थान के समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि करौली जिले में अधिकांश हिस्से में खनन कर लोग पेट पाल रहे हैं। ये लोग खनन से उड़ने वाली मिट्टी से सिलिकोसिस जैसी घातक बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। बढ़ती बीमारी की रोकथाम एवं समय पर उपचार के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर निदान किया जा रहा है। इसके साथ ही विशेषज्ञ डाक्टर्स से परामर्श देकर दवाई वितरित की जा रही है। ताकि इस घातक बीमारी से निजात पीड़ितों को राहत मिल सके।

दैनिक भास्कर · करौली – 12/03/2024

# शिविर में मजदूरों का जांचा स्वास्थ्य

**करसाई.** शिविर में मजदूरों के स्वास्थ्य की जांच करते चिकित्सक।

**करसाई@ पत्रिका.** डांग विकास संस्थान की ओर से करसाई के राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर मजदूरों के फेंफड़ों की जांच के लिए शिविर आयोजित किया गया। डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि नवीन तकनीकी से तैयार की गई डिवाइस से सिलिकोसिस पीड़ित व खान मजदूरों की फेंफड़ों की कार्य क्षमता की जांच की गई। जिससे फेफड़ों की कार्य क्षमता का पता लगाकर बीमारी का सापेक्ष निदान हो पाएगा। इसी उद्देश्य से संस्थान की ओर से शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। डांग विकास संस्थान की टीम के राजेश शर्मा सोनू माली, गजेन्द्र, किशन, विक्रम सिंह जाटव को प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया गया है। जिनके द्वारा जांच की जा रही है। शिविर में 75 खान मजदूरों व सिलिकोसिस पीड़ितों की जांच की गई।

डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि इस मौके पर सिलिकोसिस पीड़ितों, खान मजदूरों की निशुल्क जांच की गई। उनको आवश्यक दवाएं दी गई। इस अवसर पर नेकराम जाटव, नीतू चतुर्वेदी, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि कुंजीलाल मीणा, ग्राम विकास अधिकारी बालकृष्ण शमा का पूर्ण सहयोग रहा।

राजस्थान पत्रिका 15/03/2024

# सिलिकोसिस शिविर में 75 खनन श्रमिकों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

**करसाई।** डांग विकास संस्थान करौली की ओर से बुधवार को करसाई के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर लंग्स फंक्शन टेस्ट सांस की बीमारियों की जांच फेफड़ों की कार्यक्षमता को जांचने के लिए शिविर का आयोजन किया गया।

डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि नवीन तकनीकी से तैयार की गई डिवाइस से सिलिकोसिस पीड़ित व खान मजदूरों की फेफड़ों की कार्यक्षमता की जांच की गई। इससे फेफड़े की कार्य क्षमता का पता लगाकर बीमारी का सापेक्ष निदान हो पाएगा। इसी उद्देश्य से संस्थान द्वारा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। डांग विकास संस्थान की टीम के राजेश शर्मा सोनू माली, गजेन्द्र, किशन, विक्रम सिंह जाटव को प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया गया। इनके द्वारा जांच की जा रही है। शिविर में 75 खान मजदूरों व सिलिकोसिस पीड़ितों की जांच की। जांच रिपोर्ट को व्यवसायिक स्वास्थय विशेषज्ञ के द्वारा जांच कराकर उचित पैरवी के साथ निदान करवाया जाएगा। कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा ने बताया कि ऐसे में सिलिकोसिस पीड़ितों, खान मजदूरों को निशुल्क उपचार दिया गया जिसमें कफ सीरप, मल्टीविटामिन, लीवोसिट्राजिन, प्रोटीन पाउडर आदि दवाइयां वितरित की गईं।

दैनिक भास्कर 15/03/2024